जनांकिकीय संक्रमण - सिद्धान्त
The Theory of Demographic Transition

जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त अथवा जनसंख्या चक्र सिद्धान्त उन्नत देशों की वास्तविक जनसंख्या प्रवृत्तियों पर आधारित है। इस सिद्धान्त के अनुसार प्रत्येक देश के जनसंख्या की वृद्धि पांच विभिन्न अवस्थाओं से हो कर गुजरती है। सी. पी. ब्लैकर के अनुसार ये पांचों अवस्थाएँ निम्नलिखित है—

1. उच्च स्थिर अवस्था (High Stationary state - HS)
जिसमें जन्म और मृत्यु दर ऊँची रहती है।

2. प्रारम्भिक विस्तारशील अवस्था (Early Expanding state - EE)
जिसमें ऊँची जन्म दर और ऊँची किन्तु घटती मृत्यु दर होती है।

3. विलम्बित विस्तारशील अवस्था (Late Expanding state - LE)
जिसमें घटती जन्म दर परन्तु साथ ही अधिक तेजी से घटती हुई मृत्यु दर भी होती है।

4. नीची स्थिर अवस्था (Low Stationary State - LS)
जिसमें नीची जन्म दर समान रूप से नीची मृत्यु दर द्वारा संतुलित होती है।

5. घटती अवस्था (Declining State - D)
जिसमें नीची मृत्यु दर उससे भी नीची जन्म दर और जन्मों की अपेक्षा मृत्यु की अधिकता होती है।

इन अवस्थाओं को A तथा B भागों में चित्र द्वारा दिखाया गया है —

Scanned with CamScanner

A

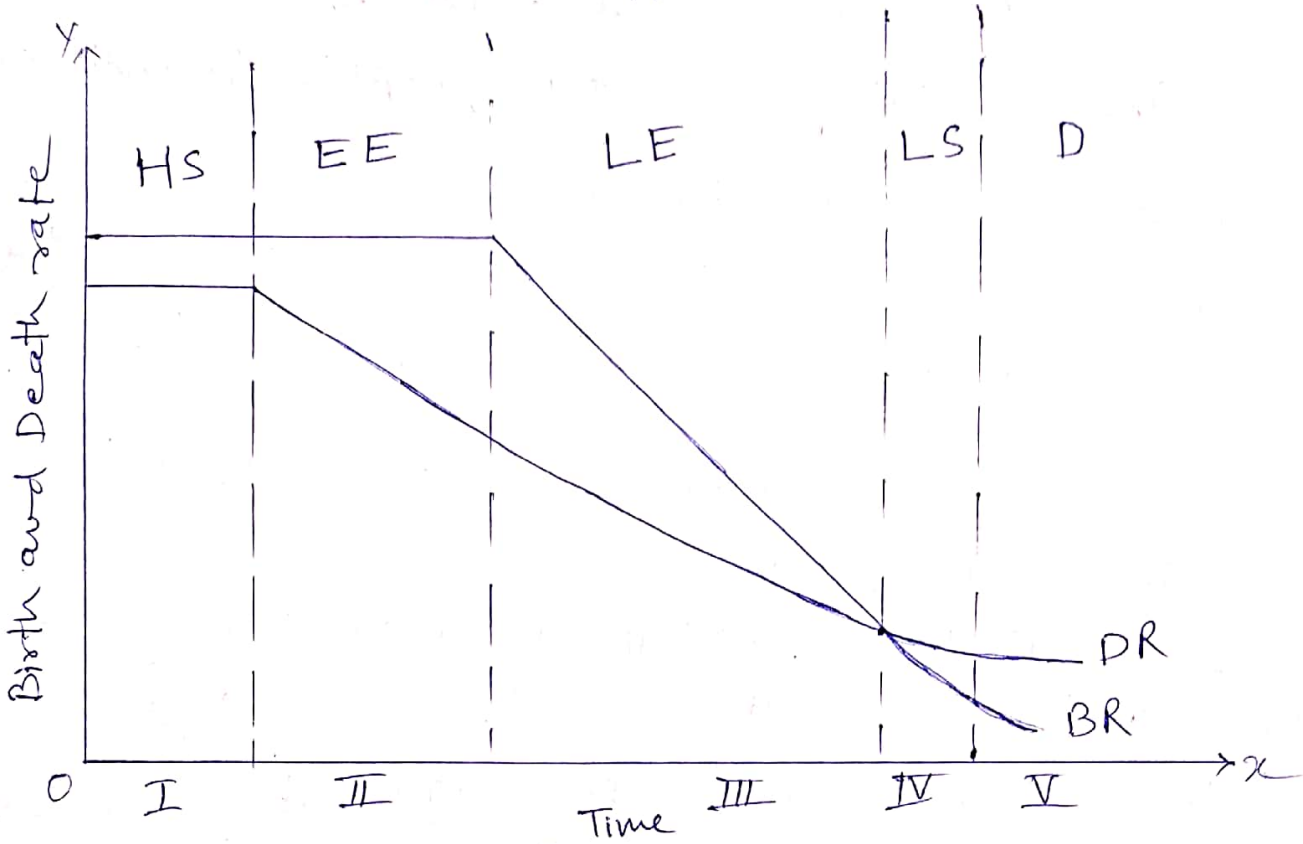

B

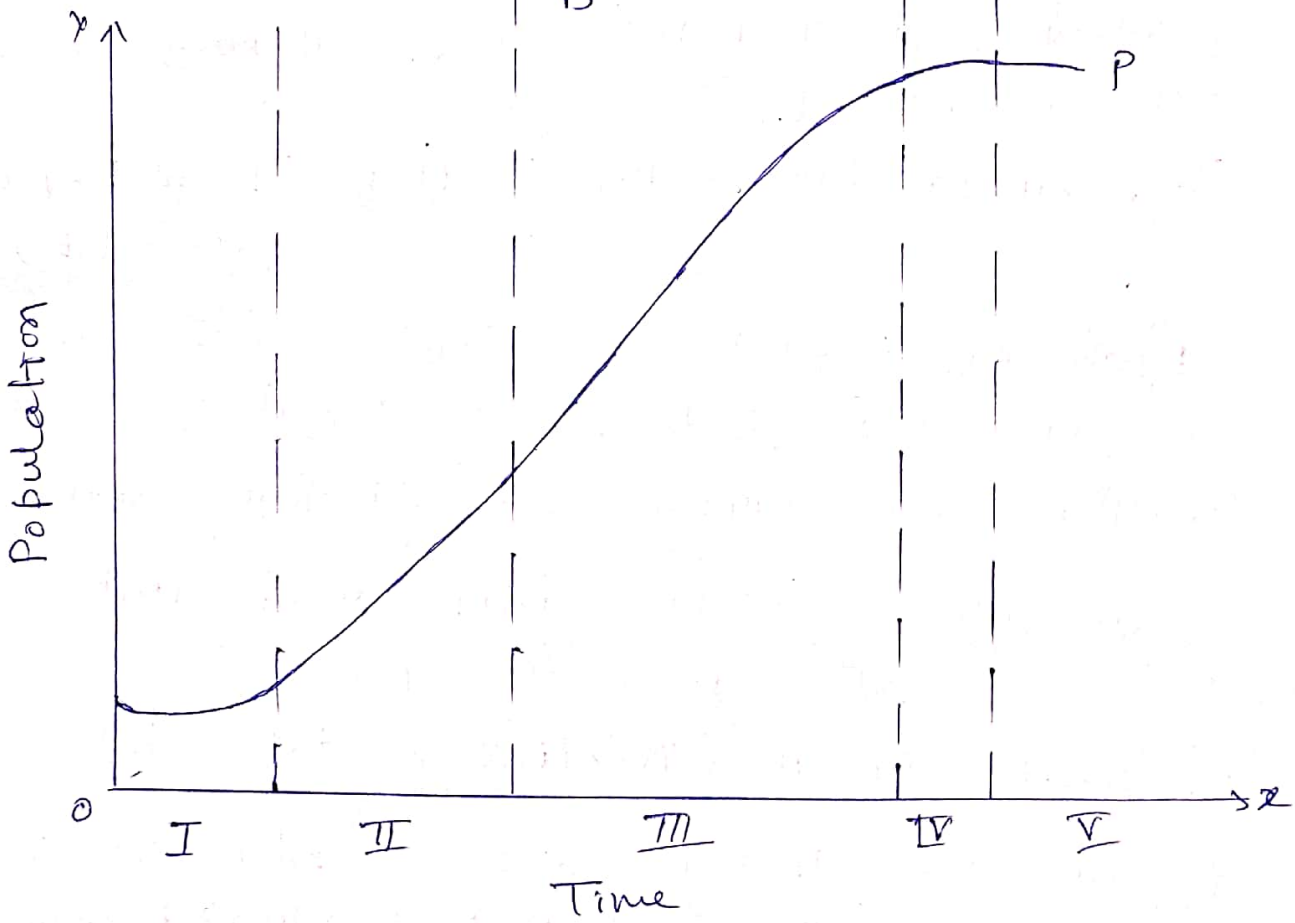

उपयुक्त चित्र A में ox axis पर Time तथा oy axis पर Birth rate and death rate को तथा चित्र B में ox axis पर Time तथा oy axis

Scanned with CamScanner

axis पर Population को लिया गया है। दोनों चित्रों से स्पष्ट है कि –

प्रथम अवस्था

इस अवस्था में देश पिछड़ा हुआ होता है और उसकी विशेषता जन्म तथा मृत्यु की ऊँची दर होती है। अधिकतर लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं और उनका प्रमुख व्यवसाय कृषि होता है जो कि पिछड़ेपन की स्थिति में होती है। छोटे मोटे उपभोक्ता वस्तु उद्योग होते हैं। तृतीयक क्षेत्र जिसके अन्तर्गत परिवहन, वाणिज्य, बैंकिंग तथा बीमा है, अत्यविकसित होते हैं। सभी लोगों के कम आय के लिए उत्तरदायी होते हैं। परिवार के नीची आय को बढ़ाने के लिए बड़ा परिवार आवश्यक समझा जाता है। सभी आर्थिक एवं सामाजिक कारण देश में ऊँची जन्म-दर के जिम्मेवार होते हैं। ऊँची जन्म दर के साथ मृत्यु दर भी ऊँची होती है, क्योंकि लोगों को पौष्टिक आहार नहीं मिलता है और स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाओं तथा स्वच्छता की समझ का भी अभाव रहता है। परिणामतः वे रोग ग्रस्त होते हैं और उचित चिकित्सा एवं देख रेख के अभाव में अधिक मौत के शिकार हो जाते हैं। इसे चित्र A में समय अवधि HS अवस्था द्वारा तथा चित्र B में P वक्र के समानान्तर भाग द्वारा दर्शाया गया है।

द्वितीय अवस्था

इसरी अवस्था में अर्थव्यवस्था आर्थिक वृद्धि की अवस्था में प्रवेश करती है। कृषि तथा औद्योगिक उत्पादकता बढ़ती है। परिवहन के साधनों, श्रम की गतिशीलता तथा शिक्षा में वृद्धि होती है जिससे लोगों की–

Scanned with CamScanner

लगती है। रूढ़िवादिता खत्म हो जाती है।

चौथी अवस्था

इस अवस्था में जन्म दर घट जाती है और मृत्यु दर के बराबर होने लगती है जिससे जनसंख्या की वृद्धि दर गिर जाती है। जब आर्थिक वृद्धि में कुछ तेजी आती है और लोगों का जीवन स्तर ऊंचा होता है तो लोग पुराने रीति रिवाजों, सिद्धान्तों, अन्धविश्वासों को छोड़ देते हैं, और परिवार नियोजन को अपनाने लगते हैं जिससे जन्म-दर घटने लगती है, जो पहले से मौजूद नीची मृत्यु दर के साथ मिलकर जनसंख्या की वृद्धि को घटा देती है। संसार के उन्नत देश इस अवस्था से गुजर रहे हैं और उनकी जनसंख्या धीमी गति से बढ़ रही है। चित्र A में LS जन्म-दर के नीची स्थिर अवस्था को दर्शाता है और B में PP curve समानान्तर रहकर जनसंख्या की शून्य वृद्धि को दर्शाता है।

पांचवी अवस्था

विकसित देशों में घटती जनसंख्या की अवस्था तब आती है जब जन्म दर निरन्तर घटती जाती है परन्तु मृत्यु दर को और कम करना संभव नहीं होता है। किसी भी देश में इस अवस्था का होना अभी तक अनुमान ही है। इसे चित्र A में अन्तिम भाग D द्वारा दर्शाया गया है। और चित्र B में PP curve के समानान्तर होना को दर्शाया गया है। जनांकीय संक्रमण सिद्धान्त यूरोप के विकसित देशों की जनसंख्या वृद्धि की वास्तविक प्रवृत्तियों पर आधारित है। यूरोप के लगभग सभी देश इसकी

Scanned with CamScanner

पहली तीन अवस्थाओं में से गुजर चुके है और अब चौथी अवस्था में है। यह सिद्धान्त विकासशील राष्ट्रों के लिए विशेष महत्व रखता है। क्योंकि वे इसकी विभिन्न अवस्थाओं के अनुसार योजनाएँ बनाकर अपनी अर्थव्यवस्थाओं में परिवर्तन कर सकते है। इसी सिद्धान्त के आधार पर ~~अर्थशास्त्रियों~~ अर्थशास्त्रियों ने आर्थिक प्रगतिकीय मॉडलों का निर्माण किया है ताकि अल्पविकसित देश चौथी अवस्था में प्रवेश कर सके। इसप्रकार का एक मॉडल भारत के लिए कोल तथा हूवर ने बताया है जो अन्य विकासशील देशों पर भी लागू किया जा रहा है। अतः यह सिद्धान्त विकासशील देशों का पथ-प्रदर्शन करने में सहायक होता है।

———×———

Dr. Sandhya Rani
Dept of Economics
Maharaja College

Scanned with CamScanner